इटारसी के निकट पंजाब मेल की टक्कर से हुई मौतें

505. **श्री हरिकेश बहादुर :**
श्री पी. राजगोपाल नायडू :
श्री एम. रामगोपाल रेड्डी :
श्री जगपाल सिंह :
श्री राजेश कुमार सिंह :
श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा :
श्री बी. बी. देसाई :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 21 अक्तूबर, 1980 को इटारसी के निकट पंजाब मेल के माल-गाडी से टकरा जाने के कारण कितने व्यक्ति मरे ;

(ख) क्या सरकार ने दुर्घटना के कारणों की जांच की हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ;

(ग) इस दुर्घटना के शिकार हुए लोगों को सरकार द्वारा क्या महायता दी जा रही है ; और

(घ) रेल दुर्घटनायें रोकने के लिये क्या उपाय किये जा रहे है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) 20-10-80 को इटारसी स्टेशन पर 6 अप पंजाब मेल और 747 डाउन माल गाड़ी के बीच टक्कर होने के परिणामस्वरुप 22 व्यक्ति मारे गये ।

(ख) इस दुर्घटना की रेल संरक्षा आयुक्त, बम्बई ने सांविधिक जाच की हैं, जो पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय के अधीन स्वतत्र प्राधिकारी के रूप में कार्य करते है । उनकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है ।

(ग) इस दुर्घटना का शिकार हुए व्यक्तियों को रेल प्रशासन द्वारा 46,000 रुपये का अनुग्रह भुगतान किया गया हैं । तदर्थ दावा आयुक्त, जिसकी नियुक्ति विचाराधीन है, द्वारा क्षतिपूर्ति निश्चित की जायेगी ।

जो रेल कर्मचारी ड्यूटी पर होते हुए इस दुर्घटना में अन्तर्ग्रस्त हुए उन्हें कामगार क्षतिपूर्ति अधिनियम के अधीन क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के बारे में यथा-समय कार्रवाई की जायेगी ।

(घ) चूंकि दुर्घटनाओं के लिए रेलवे कर्मचारियों की असफलता सबसे बड़ा कारण है, इसलिए गाडी संचलन से संबधित कर्मचारियों में संरक्षा सम्बन्धी चेतना पैदा करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए, कि कर्मचारी नियमों का उल्लंघन न करे या ऐसे लाघव उपाय न अपनायें जो दुर्घटना का कारण बनें, रेलों के संरक्षा संगठनों को निरन्तर अभियान चलाने के निदेश दिये गये है ।

गाड़ियों की जांच तथा सवारी व माल डिब्बा डिपुओं में मौके पर जांच के काम को गहन कर दिया गया है तथा रेल-पथ के उचित अनुरक्षा की ओर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है । मानवीय तत्वों पर निर्भरता को कम करने के लिए पहियों, धुरों तथा रेल की पटरियों धुरा काउन्टरों, रेल पथ परिपथन आदि के पराश्रव्य दोष ससूचकों जैसे परिष्कृत साधन उत्तरोत्तर शुरू किये जा र है ।